Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding alleged misbehaviour by MLAs with Speaker of Bihar Legislative Assembly.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): सभापति जी, सदन में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है और विरोधी दल तथा सत्ता पक्ष के लोग आपस में बहस भी करते हैं और विवाद भी करते हैं, लेकिन कभी भी आसन पर कोई बात नहीं होती है । यह मामला बिहार विधान सभा के अध्यक्ष से जुड़ा हुआ है, इसलिए मैं सदन में यह मामला उठाने के लिए मजबूर हूं । माननीय सांसद जो चर्चा कर रही थीं, उसके संदर्भ में मैं कहना चाहता हूं कि आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ है कि विधान सभा के अध्यक्ष को उसके कमरे में बंद कर दिया जाए, उनके कमरे के दरवाजे में रस्सी बांधी जाए और सारे लोग उस कमरे को घेर लें । एनाउंसमेंट हो रही है कि विधान सभा की कार्यवाही शुरू करने के लिए स्पीकर आएं और स्पीकर को आने नहीं दिया जा रहा है, उन्हें घेर कर रखा जाता है, जिसकी वजह से तीन बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ती है । सदन में विवाद होता है, बिल आता है और उसका विरोध होता है । सभी को अपनी बात करने का अधिकार है, विरोध दर्ज कराने का अधिकार है, लेकिन आज तक भारत के लोकतंत्र के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ कि विधान सभा अध्यक्ष को उसके कमरे में बंधक बना दिया जाए ।

मैं आपके माध्यम से लोक सभा अध्यक्ष जी से यह अपील करना चाहूंगा कि वह सभी विधान सभा अध्यक्षों की बैठक बुलाएं और जो भी विधायक इस तरह के कार्य में संलिप्त हैं, जिन्होंने विधान सभा के अध्यक्ष को बंधक बनाने का काम किया है, उन सभी पर कार्यवाही की जाए और उन सभी विधायकों को निष्काषित किया जाए ।**...(व्यवधान)**

माननीय सभापति : आप अपने को इस विषय से संबद्ध कर दीजिए ।

...(<u>व्यवधान</u>)

माननीय सभापति : इस विषय पर चर्चा नहीं हो सकती है । आप अपने को संबद्ध कर दीजिए ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय सभापति : कोई बात रिकार्ड में नहीं जा रही है ।

हनुमान बेनीवाल जी, आप बोलिए ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय सभापति : जिन माननीय सदस्यों को इस विषय से संबद्ध करना है, वे स्लिप भेज दें ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय सभापति : इस विषय पर चर्चा नहीं हो सकती है । आप स्लिप भेज दीजिए ।